

# वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटी,

## सुरत

### तृतीय वर्ष बी.अं.

#### २००७-०८

#### पेपर ४ (अ)

#### परिभाषात्मक पध्दतिओ

अेकम-१ मूणभूत प्यालो  
यलराशीओ, गणो, विधेय, समीकरण संडिता, युगपत समीकरणो,  
सुरेभाना उपयोगो, सुरेभानो ढाण, समपरिभाषा विधेयो.

अेकम-२ कलन गणित  
विधेयनुं विकलन \_ महत्तम तथा न्युनतम किंमतो - मूत्यसापेक्षता - पेढी  
तथा ग्राहकनी ँष्टीकरण \_ कुल, सीमांत तथा सरराश ञर्य अने आमढानी वख्येनो  
संबंध \_ विधेयनुं संकलन \_ ग्राहक अने उत्पादकनो अधिशेःष

अेकम-३ श्रेणिको अने निश्चयायको  
विविध प्रकारना श्रेणिको - निश्चयायको - श्रेणिकनो व्यस्त श्रेणिक २ X  
२ - क्रेमरनो नियम - साधन उत्पादन विश्लेषण \_ सरण स्थैतिक मोडेल, सुरेभ  
आयोजननो प्याल \_ भौमितिक पध्दति, हेतु, धारणा, उपयोगो, टेकनोलोजी  
श्रेणिकनी व्याप्या

अेकम-४ केन्द्रीय वलण अने प्रसारमान  
केन्द्रीय वलणनां मापदंडो - मध्यक, मध्यस्थ अने बहुलक, गुणोत्तर  
मध्यक अने संवादी मध्यक,  
प्रसारमाननां मापदंडो - विस्तार, सरराश वियलन, प्रमाणित वियलन,  
यलनांक, यतुर्थक वियलन, विषमता, धन अने ऋण

अेकम-६ सहसंबध तथा नियतसंबध  
सहसंबध \_ सामान्य सहसंबधांक \_ काल पीअर्सन अने क्रमांक सहसंबधांक,

નિયત સંબંધ વિશ્લેષણ \_ દ્વિતીય વિતરણમાં નિયત સંબંધ રેખાનું આગણન \_  
નિયત સંબંધાંકોનું અર્થઘટન

એકમ-૭ સંભાવના અને સંભાવના વિતરણ

સંભાવના - ખ્યાલ, સંભાવનાના નિયમો (સરવાળા અને ગુણકારના પ્રમેયો), યદચ્છ યલરાશી, ગાણિતીક અપેક્ષા, સૈધ્ધાંતિક વિતરણો - દ્વિપદી, પોઈઝન અને પ્રમાણ્ય તેમના ગુણધર્મો અને ઉપયોગો